

भायदं संप्रयाय निष्ठनस्य धर्नयथा ॥ ॥ **थधर्म्याविधिविधान** (थंकीदा, थधर्मडियद
 गलादाय धनमदुर्झनधनलादा (थंनिधनीर्झधनरुयव ॥ ॥ **अस्यानन्दनमनसा** यु
 ७माम्निस्सुस । यादयी ० गगादत्वा सनिवश्च गृह्यायवि ॥ ॥ **गमासदिति** अगीआ
 नन्दरुयाव आशुवमूनिनमस्काययावका ७दवादाव कायनिस् आसनगयावविष्का
 वका ॥ **अनिथं** गस्यवेकन्तु मनसायविचिन्तयन् । गृह्यनास्मिभक्तिं विष्किकिकथामी
 निदृश्वाना ॥ ॥ **अनिथि** सस्काययाय डिक्कसदवधयाव मुक्कनीमद आवञ्जनक्या

२५

य ॥ ॥ **कलिर्निसृणुमादाय** गाम्बलं कणुमाह्वाना । गाम्बलं दृगसहिर्न गृहीत्वा गृहमा
 गगा ॥ ॥ **थधिदद्विध** कीरालयाव मवया कयासुरु ७ कायावगया कावुकावकायाव
 म्वयम्वयद्यानवाह ॥ ॥ **गावदव** गृह्यारुस्य निधियत्वा गगामूनिः ७ वा झणी गृहमायन
 मूनिस्सुगुनविश्रम ॥ ॥ **थया** अन्तयस आशुवमविष कायनियानयस धनगाथाव अन्त
 द्यानविष्काक ॥ **आय** ग्वनलजादाव क्ववलदास्य आशुवमूनिमखादाव अनिदृश्वानायाव
 धाना ॥ ॥ **गगाविद्या** सहिगा गृहं समर्जभावसा । रुदयी ० सम्पूकाया दद्यामाविधिम्

मी॥ ॥ मिखासखाविगस्यथ ग्वन ग्वयद्वयायधार्मी गुरुकायाव काथसर्वयूयावलस काय
 निथानकासी धनखादाव नयनकाया ॥ ॥ अथ यूर्ध्वमुखिरुत्वा ऊगमदमधनाकरीव
 नायदशमागुरुं नार्यागुसमागता ॥ ॥ थवाक्रुणीनमियासया विद्वयावधार्मी धर्मस्विः
 नवविनवनाधर्मी थथक्कायावनसगासी धर्मडियदर्शदव धर्मीविस्वनाथव आनन्दनध २५
 नकाया ॥ ॥ ॐ आनन्दनमनसा ऊगमदविधिसूक्तम् यथाशीधिनविषुदा गवर्गीसाव
 कार्दने ॥ ॥ धर्मीलिअथवसविषुडयदर्शवियावनाथार्थमनसवनन स्वस्वनीधर्मदेव ॥

मास्ययर्ध्वमायानु विधिनायविषुडिगा यगुयागिथिसंस्तुय यगुगमनकीकृया ॥ ॥
 मास्ययागु कृयकृयावगुर्दगिकृद्वस्वस्वनिवुगआनमरुयादाव यूर्ध्वमागिस विधिवि
 धानर्थधर्मदादा ॥ थधर्मयायुतावन जिकायमथवयमालधर्मी कामनायादाव थस्व
 स्वनीधर्मदादा ॥ ॥ गदुगसायुतावदा यगुसुसासमागता दानस्त्वित्वा मागमार्गिगु
 त्वासुलिनिगवच ॥ ॥ थधर्मयायुतावन गमाराद्विगियाकायदा दानसधादावमा
 मधर्मीसवगाव ववगायाव ॥ ॥ यगुयमिनिविस्तुय गृहीत्वा ऊलराऊनी यादयुर्द

लमाथव ययोगदनमादिगा ॥ ॥ थऊकाययासुनधर्कं वायक निमिहिन लखय
 आदावमसूदनक लाव यिसावदासी कायनमानमस्कावयादा रुयगुचनकलागश
 यमालधर्क आगिराविया वायकाव दग्ग नवयावृगान नखादका ॥ ॥ दत्तानिवग २७
 यामास रुकद्या नवसुनी दसा नवस्यवृत्तर्क यिगुयवत्वभवव विदुदानादिकीस
 वमागुयगुनिवदिग ॥ ॥ थयगुडवाव ॥ दग्ग नयाखाकीदा यिगा दिवंगनरुवा अनगंग
 गीथर्वेदावविदुदानादिकसर्ग रुद्धावयादावगा थधना ॥ ॥ सोवरीगुसमात्माक

२७
 यद्ययविगवासिर्ग विविगुयूयसंताव मागठ किंकावर्गदग ॥ ॥ रुमानुसूगभयूय
 धयसमसर्गनासाक कृकर्मयोदा कृकावगा नरुमानकनकलाव ॥ ॥ थयगुस्यवचनं शु
 ला मागाकथयनिखेव वुर्गगुवविर्गयूय गवकलागवा कृया ॥ ॥ काययावचन
 ददाव मामन मथानेकीदा ॥ ॥ मागडवाव ॥ रुयगु कनकलागशयमालधर्क थगुवि
 वा कृअनअन खसुनीधर्मदादा ॥ ॥ गूनिमानुवव ॥ शुस्वासानन्दद्विजनने धन्या
 सिहृगकृयासिखयावगसमावचगु ॥ ॥ थयगुडवाव ॥ धन्य २ मागाकन थयायगव

[illegible]

वर्षशयव ॥ ॥ नधर्मसिद्ध (गला क. गाना किं विन्नयन। वनसो गद्विधाननु कथ्यमी
ममभावग ॥ ॥ अधर्मनिथला कसंदविडरुयिव, विनयनमरुय ॥ ॥ अनामहा
त्सवस्तुगु धनवान्वनवन्नुवगु। स्वाययासगनयं यथा विधियुथादिर्ग ॥ ॥ अधर्मनमः
हाउसव धनवन्नुवगु ॥ माधवाया कायवियविधिर्ग ॥ ॥ अथयय कमानिर्ग
रुत्तयव्या दगन्निर्ग। दधिना जा दगन्नेव यूकी यूगायसादयो ॥ ॥ गथ अथव
मयिगधना अथ विधिविधानर्थ, शायामरु कायावरुत्तयव्या अदगन्नेवादि

धनवपययूक्यादावधवकाययागालवक्त्राया अविधिर्सीकावयादा आवनद्धाः
 स्वर्गलोकेसविधिविधानर्थराजनयागा आवधयथा मण्डलसु सुनाने मसव
 कुनराजनयावधयथायावराजनयावका ॥ यूनवादिनाम्बुलवियावमुखशु
 द्वियावका ॥ ॥ विधिनाराजयामाप् अविधिं सूत्रवाङ्मिनी गीवले वगनादत्वा स्व
 ययुजिगवाङ्मणी ॥ ॥ यूनवादिदृष्टि १०० यामाह धमयावदायादा ॥ ॥ अथयु
 यरावन नववाङ्मिनी ॥ ॥ धरुल्या के गसस्का न कावयामाससादन ॥ ॥ थसः

२८

सुनीधर्मदायाययथा यरावदासम्यलियाफरुव नववाङ्मिनी गवा मासन
 खलुयाचासथमथादाव मरुहवयिर्व केन काययासमानयाका सर्वदी ॥ ॥ न
 हिसमयगुगदायाधियनिमन ॥ अयुगो वाङ्कलाव उयाध्यामनिर्मदले ॥ ॥
 थयअनसुयुक्कयूनीनगनयावाजाहयुशुव अयुगुक्कवाजाहयुशुयावउयाध्या
 मनीगला नीजनसमर्कलो कमदावचिननायादावाजा कर्तुनदालो कदर्शियामा
 सर्वगदा नववाङ्मिनी ॥ ॥ वाङ्मिनी नविदिनी ॥ ॥ आववाजा गवायाय सु

क३

[illegible]

॥५

२३ प्र

शिव का हल, वाक म्वा हा वि वा जन दय कं, कु गु ढ का य का व, सि न्द्र व जा ग्रा या दा व इ ना य
 ८॥ ॥ दा व नि म च्चु नं ग गु, मा ग यू गु ४ स म च्चि न्। अ रि (धु कं ग ना द त्वा, मि न सि हा स न यः
 ९॥ ॥ यि वा वा य स ली सा या व, वा ऊ कू दं ना य दा व, मा र्म शी न व वा ऊ द व या र्ग, वा ऊ रि स
 ष वि या व, जा सा वा, म हा स ख न वा ऊ या दा ॥ ॥ ह त्वा वा ऊ नि छ षा त्मा, मा ग र्म य वि य
 १०॥ ॥ मा ग र्म म यि कं न, ग ना वा स ग ट र्द यु नि ॥ ॥ थ व ल स का य ढा, मा म या क ड ड
 ११॥ ॥ रु मा ग जि झ वा, ग वा ना, थ व क्क वा ना वा, मा म न थ व क्क वा ना ध र्क का दा ॥ ॥ त्व त्य

५२

सादनरुथाई सुख न्यावानरावर्क। महासुखमनूयाय ॐ निमानयुगायवान् ॥ ॥
 रुमाशकुनयुगायनअवाजाशया धीसुखनीयाअनूगुहूनमहासुखनवाक्याव ॥
 कुनयुगायनअवाजाशया ॥ ॥ जनन्यापुलिगादाला गगीनीराववाहको। गार्थाय ३०
 कुक्कात्तीरा नववाजयियाकग ॥ ॥ थर्नलिमामयाकदकावदल्या नर्कीकुयाव
 कायकवकुया दल्यायनिवानकास्य नदीयागीवसवाह मिसानर्कीरवीकावदुदाहमी
 मूर्तिनर्कीनववाजवाक्याकावायाथकुसववाधकीदका ॥ ॥ नववाजसाराया
 व

रुयववाजसर्वेमम ॥ ॥ गमासु सुग्रीभव गकुमाराववाहक ॥ ॥ थवलस
 भवर्कीमिसानधार्थ थर्कीमसयावाकुमिसन थर्कीनववाजवाक्यायनीव ॐ निनिश्वय
 नंजिखव यववाजवाक्याकावाजिखव ॥ गमासदिनि डि सगुलिमाम थथधायव
 महासागीनीशयलारानरुसाववाहकयनिहुयनिमन विलसुमयासुजियदान् ॥
 सागिन्यारवलारान दाला पुर्णयुधादिगा। अथार्नदेवया गन यया नयय्यवुधिरि ॥
 थथधायव दूलिसमथर्नदेकाववाका थवलस दल्यायनिनर्कीसनवस्ययका ॥ ॥

कोयुल नदय न स्वामिनी लीया गगन नदी गीत हि मादा ला राविको सायु क य नि ॥
थवल स देवया गग यय्य वृष्टि रुव र्व दाव थमहा कोयु क यय्य वृष्टि रु नाध काव रुन ऊ
का न्या दा मिखा न साय द व रु स्वामिनि खे द्वि विलम्ब या दा व विष्ठा रुन थ थ धा या व न दी ३१
या गी न स मा था व म थ न ऊ य नि व य ध र्क कोयु रु न नी य न या ग वा रु थ इ त्या य नि स व स रु
का थ रु या व वा रु ॥ ॥ स्नाय का वा य न ग ग म दृष्टि मा अ स रा न को । गगु ति थ क य य न
यु ग न्य ग रा विष्ठा नि ॥ ॥ इ त्या य नि स न सा ल वा न दा र्थ अ य न ग ग य नि स न शी स्वः

रु नी उ ग दी श्व नो स्ना न या व का या यय्य वृष्टि थ गु र वृष्टि सा या अ य न ग ग य नि स न शी
स्व रु नी वु ग र्द दा या व वा ला द क न थ व र गि न स सि श्व न या इ त्या य नि सि श्व न या रु ता न
वा रु क य नि रु मि स न शी स्व रु नी वु र्द दा सा या मा गु न थ ध र्म र्द दा व रु त्या ॥ ॥ स्व रु नि
वु ग या ग न य न ऊ र्म नि वि श्व न । अ ग रा वि क व कु र्त्त रा गि न्या वि ऊ य ग रा व ॥ ॥ थ य र्थ
न य न ऊ र्म म मा ल थ य व स क त्या न स ग र्वा द दा थ न र्ति इ त्या य नि स न न व वा ऊ या य मी
रा ग नी वि श्व व क ध र्क लि हा व या रु स्वामिनि जिय नि न वा द र्थ स्व रु नी वु ग सा या अ गि म

नाहववसुसायाधन्य २ जियनिसगनीन गनीनयविगुशभा, हलयालसाथयव्यका
सविकरुन ॥ ~~स~~नीधर्मयाधर्क ॥ ॥ साविकाववननधर्गसमर्थयुवादिगा। रुयापि
साविकार्यावजत्यवदस्यववभास्यसुनीसाकथं किनु किंवर्गकायवी कृगश। यष्यी ३२
किंरुलंगगुवगनिन्दगिवाक्री ॥ ॥ थवलसदल्यायनिसववनदकाव, रुयायाः
त्माक्यनिसनर्क, थ(थधायावमहायालववकाया, जिस्वामियाक, यनलीयनायाकाव, रुस
खानजिहवनका लवना ॥ ~~क~~सुसुनीकूदवयावुग, कूदवियावुग, थ(थधायाव, थयूयन

दीयाजलसवाकावकाया, वगनिन्द्यायाका, थवलस, थवाक्री ॥ अनगयायनार्ग ॥ ॥
गग४साकिलिवाकूने, साविकीगोनदीगगो। अथयलयथावाति, र्द्यनधानागिगजि
ना। गस्यस्यसुधनयानिगा, गथादवीसमागगा ॥ ॥ दल्यायनिसन, दलिसधंकाव, वूया
वनदियावयावकवकासं, युलयकालस, भयगऊनय, थ(थ, वारुसवयाव, थगदन, थवा
क्री, नीमीस्यदवय, लूकनयवैक, वगनीन्द्यायाकारुलन ॥ ॥ ~~थी~~सुसुनीउवाव ॥ सा
लूकायापिनीगु, गनयाथनपिठिगा। गदुगस्ययुरावन, साविकीगुदिर्वज्जो ॥ ॥

श्रीसुखनी उवाच ॥ गच्छी सुखनी दवी रुना उच्छी दवी विष्णुदाव द्रव्याय निनच्छी सुखनी
 कसरीद ॥ सुखनी वगनी उवाचान च्छुयायीनी रुय ॥ ॥ यच्छी गी वगनी यो विष्णुदाव
 यावकी ॥ उच्छी न्न ॥ भवान गमै ॥ गी यगी माया यिनी जल ॥ ॥ थयायीनी नदी समरु ॥ श्री लस
 थरुकायान कायमजी वगारुका लीखकुनी मच्छा क थथिठ थायस लूफ रुव ७ ला रुग ॥ ३३
 न्यायाववाद सर्वगवाक थं गना वनी मरुसथानी थ थयायीनि द्वादश वर्य १२ लीखसवा
 द ॥ ॥ नवना उच्छी उरुगु नित्य कर्म गुड रुव ४ यथा सुखनी च्छुया निग थ दवी स

य २
 मागगा ॥ ॥ थया अन्न न सन्न वना उवाच दद्या नित्य कर्म याग द्या स्य द्रव न श्री सुखनी वि
 ष्णुदाव आरुगु सन्न रुव ॥ ॥ श्री सुखनी उवाच ॥ अरुका उच्छी व मरुका जननी ग
 वा पुच्छा रु लुगी मच्छी सवा उच्छी रुगी मया ॥ ॥ श्री सुखनी उवाच ॥ रुवा द्या वान जन स
 मरुला क आ थ य रिय काव जिन च्छुना जाया द्या च्छुगु नया द्या च्छुन मा मन उिक अगिर
 किरा वन वगदी द्या या पुरा वन ॥ ॥ ॥ रुव सुखनी च्छी व रुक्मा मा द्या मवा द्या ॥ ॥ गी
 दद्या वन दवी गगी वान नधी यग ॥ ॥ ॥ रुला क सशा ग रुकि न ना द्या द्या व यन ला

कसमाकृयाफरुयव ॥ थ० वनवियाव श्रीदवी अन्क० ध्यानविष्णु क ॥ ॥ नमस्ते न
 नवकाल द्वादशार्ध गुयायिनी । यनिगाननकथाय स्वस्मनी वगनिन्दया ॥ ॥
 थया अन्कयसयायिनी जलसवाक द्वादशवर्ष १२ स्वीयदवर्ष अद्याननकसिवाक
 स्वस्मनी वगनी न्याया दायारुलन ॥ ॥ नमस्ते नदीगनकधिगु दीवनाया समाग
 नो । गार्यासूयक आलन वदनी ४ कान्कयायिनी ॥ ॥ थवलस द्वादशवर्षा द्वादशम
 क्कवालन नमस्ते नदीयागी नसवयाव जालनिद्वार जालनकोनकाव द्वादशनाधर्क ले

३५

च्छुग्य ०८ मकीकादिसं सद्यं द्वादश ०८ किन अंगमिसागालास उल्लालन द्वादशवर्ष
 थिवान द्वादशवर्ष मग्यामाला यउयामाला वगवक गानकाव ०८ किन मिसागाला समाग
 यादववाल गद्यगायाव सायलमयास मिखास अङ्कलन क्कयाखउला क्कयाखम
 उलाव थथ अन्कगमिसागाला अन्कगला कनसायकाव ॥ ॥ द्वादशमवर्षन क्कयायुवि
 (गर्हयमन्दिन) स्वामिनासमाक्राद अंगीर्वादसूखासन ॥ ॥ यूनर्वादनाऊ द्वादशमनि
 म्मिक्कनयादव नाऊ गृहसर्दगायकाव यूनर्वाद स्वामिवा विवाहायाका अन्कगवाकण

यनिमन आगा ब्रह्मविद्या है ॥ ॥ दिव्यं सुखं पुरुं जानी गंगा माझ मवायूयागु। नुग
 सुली मरुदवी, सुसुनी वनमूर्तमं ॥ ॥ मा मकाय ६६ लि २५ सुय्मं सनमरु सुख
 सम्यदन नाक या हा मरुउत्ता हा या हाव यन गुस माझ या कि रुव ॥ ॥ श्री मरुद उ
 वाव ॥ ॥ रुवा वगी, सुसुनी धर्म या युगा वम ॥ ॥ सम्यकि रु लया फ रुव मरुउरुम
 धधर्म ॥ ॥ यत्क नागि सदा रुक्मा रागी रावगि सर्वदा । लक्ष्मी य ३३ गथा पूर्ण विद्या मा
 यूर्य गभवर् ॥ ॥ २५ सुसुनी समसु धर्म या सिर्न (गु) २५ धमन सुय्मं मिसान दाप्ति २

३८

७३१
 ७३१

७३१

सतकिरा वन धर्म दान सा ६६ रु लाक सतागिनी रुयाव सदा सर्वदा रु लक्ष्मी वन रुय
 व अन्न गय ३३ नथ लि व गाम्वाय व विद्या वन या हाव जग वन वल थ लाव वा निव ॥ ॥
 सुसुन्या व युगा व ६६ सर्व रावगि निश्चिर्न । नुग रु ध व ३३ ६६ या रु थ यनी मरु न या व
 कु ३३ गा व ला कानी सर्व या य ३३ यम राग ॥ ॥ २५ सुसुनी या युगा वन २५ द्वा का रु ल
 समर्क निवयनी संया फ रुय व ॥ ॥ थ क था सु नान रु ना रु द्वा ६६ ला रु रु मी यानी द्वा क रु
 यानी समसु या य भा क ॥ ॥ विधवा न्न व रावगि युनि सो रा य मायूयागु । धन धान्य सत डिः

मु. मण्यो गदि सि हता ॥ ॥ अथ कथा मिसा जनन नदन सा विधवा रुय ममाल अथ वा धव
 यन स थव यन यया रुवन नर रुय रुय रुव अथ वा धव यन यन रुय रुय रुय रुय रुय रुय रुय रुय
 धन धान्य अन गद्य का व काय रुया रुय अन गमा वा भा दय का व मला सुख न म्या रु ३२
 वथानि वरुनी ॥ ॥ नि गालि गय ना रु रुनी यन म रुथो वृग कथा समा रु ॥ ॥
 यथा दृष्टं गथालिखिर्गं लेखकं नादि था वनं यदि शुद्धं मस रु वा समदा था नदियग ॥ ॥
 रुनी वृगनाम लिखिर्गं शुभं नमं अरुना दय दा उदा रु मानी रुगदि रुनी ॥ ॥